

शहीद गुलाब सिंह लोधी

(1903 - 23 अगस्त 1935)

(कृपया इसका प्रिंट निकलवाकर पढ़ें, पढ़वाएं और बटवायें)



सुगत सांस्कृतिक शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था,

लखनऊ, (उ.प्र.) – 23.08.2022

अभिनेत्री : अनामिका सिंह

लेखक : ए के सिंह

मोबा : 7355175480

बंधुओं : जय संविधान, जय विज्ञान, जय लोकतंत्र, जय भारत, नमो बुध्दाय, जय भीम,
जय अर्जक, जय जीवी...

.....

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम भारत के स्वतन्त्रता सेनानी थे। जिन्होंने अपने प्राणों की बाजी अपने देश भारत को आजादी दिलाने के लिए लगा दी। लखनऊ(उ.प्र.) के अमीनाबाद पार्क में झण्डा सत्याग्रह आन्दोलन में, झण्डा फहराने के दौरान अंग्रेजी पुलिस ने उन पर गोली चला दी और वे शहीद हो गये।

गुलाब सिंह लोधी : जन्मस्थल :

गाँव चन्दीकाखेड़ा (फतेहपुर चैरासी), जिला-उन्नाव, उत्तर प्रदेश

शहीद स्थल: अमीनाबाद (झण्डेवाला पार्क), लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

आन्दोलन : भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम

गुलाब सिंह लोधी का जन्म एक किसान परिवार में श्रीराम रतनसिंह लोधी जी के यहां हुआ था। इनके पिताजी उन्नाव के एक प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित जमींदार थे। झण्डा सत्याग्रह आन्दोलन में भाग लेने उन्नाव जिले के कई सत्याग्रही जत्थे गये थे, परन्तु सिपाहियों ने उन्हें खदेड़ दिया और ये जत्थे तिरंगा झंडा फहराने में कामयाब नहीं हो सके। इन्हीं सत्याग्रही जत्थों में शामिल वीर गुलाब सिंह लोधी किसी तरह फौजी सिपाहियों की टुकड़ियों के घेरे की नजर से बचकर अमीनाबाद पार्क में घुस गये और चुपचाप वहां खड़े एक पेड़ पर चढ़ने में सफल हो गये। क्रांतिवीर गुलाब सिंह लोधी के हाथ में डंडा जैसा बैलों को हांकने वाला पैना भी था। उसी पैना में तिरंगा झंडा लगा लिया, जिसे उन्होंने अपने कपड़ों में छिपाकर रख लिया था। जैसे ही क्रांतिवीर गुलाब सिंह जी ने तिरंगा फहरा दिया और जोर-जोर से नारे लगाने लगे : तिरंगे झंडे की जय...

अमीनाबाद पार्क के अन्दर तिरंगे झंडे को फहरते देखकर पार्क के चारों ओर एकत्र हजारों लोग एक साथ गरज उठे और तिरंगे झंडे की जय.....

गगनभेदी नारों से पार्क गूंज उठा। झंडा सत्याग्रह आन्दोलन के दौरान भारत की हर गली और गांव शहर में सत्याग्रहियों के जत्थे आजादी का अलख जगाते धूम रहे थे। झंडा गीत गाकर, झंडा ऊंचा रहे हमारा, विजय विश्व तिरंगा प्यारा, इसकी शान न जाने पावे, चाहे जान भले ही जाये, देश के कोटि कोटि लोग तिरंगे झंडे की शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने के लिए दीवाने हो उठे थे।

समय का चक्र देखिए, कि क्रांतिवीर गुलाब सिंह लोधी के झंडा फहराते ही सिपाहियों की आंख फिरी और अंग्रेजी साहब का हुकुम हुआ, गोली चलाओ, कई बन्दूकें एक साथ ऊपर उठी और धांय-धांय कर फायर होने लगे, गोलियां क्रांतिवीर सत्याग्रही गुलाब सिंह लोधी को जा लगी। जिसके फलस्वरूप वह घायल होकर पेड़ से जमीन पर गिर पड़े। रक्त रंजित वह वीर धरती पर ऐसे पड़े थे, मानो वह भारत माता की

गोद में सो गये हों। इस प्रकार वह आजादी की बलिवेदी पर अपने प्राणों को न्यौछावर कर 23 अगस्त 1935 को शहीद हो गये।

क्रांतिवीर गुलाब सिंह लोधी के तिरंगा फहराने की इस क्रांतिकारी घटना के बाद ही अमीनाबाद पार्क को लोग झंडावाला पार्क के नाम से पुकारने लगे। और वह आजादी के आन्दोलन के दौरान राष्ट्रीय नेताओं की सभाओं का प्रमुख केन्द्र बन गया, जो आज शहीद गुलाब सिंह लोधी के बलिदान के स्मारक के रूप में हमारे सामने है। मानो वह आजादी के आन्दोलन की रोमांचकारी कहानी कह रहा है। क्रांतिवीर गुलाब सिंह लोधी ने जिस प्रकार अदम्य साहस का परिचय दिया और अंग्रेज सिपाहियों की आँख में धूल झाँककर बड़ी चतुराई तथा दूरदर्शिता के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। ऐसे उदाहरण इतिहास में बिरले ही मिलते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय अग्रणी भूमिका निभाने के लिए, उनकी याद में केंद्र सरकार द्वारा जनपद उन्नाव में 23 दिसंबर 2013 को डाक टिकट जारी किया गया।

ऐसे बहादुर योद्धा को शत-शत नमन और विनम्र श्रद्धांजलि 🙏

(कृपया इसका प्रिंट निकलवाकर पढ़ें, पढ़वाएं और बटवायें)

सुगत सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था,

लखनऊ (उ.प्र.)

अभिनेत्री : अनामिका सिंह

लेखक : ए. के. सिंह

7355175480